R. 22

जायद बही नं० 4 5

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
नोट:—यह ख़ाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	R.N. 107 वरीयत मुल्क वल्दीयत मालीयती ५ रुपये किताब ५ रुपये कुल ५६ रुपये R.F = 50.00 C.F = 2.00 Total:- 52.00

Sub Registrar
Distt. Bilaspur (H.P.)

New Art Press JUC. 2074 Reg.

hal Government Judicial Paper

नम्बर

वसीयतनामा

मुल्क

श्रीमति [illegible] उम्र ६६ साल
[illegible] पुत्र सिंह [illegible]
[illegible] ब्राह्मणा परगना बहादुर
[illegible] जिला बिलासपुर
[illegible] मी हूं।
[illegible] उज़रा बूढ़ी औरत है,
[illegible] ब्राह्मणी ब्राह्मणा
[illegible] बहादुर तहसील घर
बिलासपुर में मरा[illegible] ब
[illegible] की मालिक व [illegible] है।
[illegible] उज़रा को पिता [illegible] उज़रा से
[illegible] में मिले हुए हैं।
[illegible] को कोई पुत्र नहीं है,
[illegible] दो पुत्रियां श्रीमति
[illegible] विधवा हैं जिनकी उज़रा
[illegible] कर दी हुई है व
[illegible] काफी रुपया व [illegible]
[illegible] और वह अपने अपने
[illegible] आबाद हैं।
[illegible]देव पुत्र [illegible] पुत्र
[illegible] ब्राह्मणी ब्राह्मणा
[illegible] बहादुर उज़रा से
[illegible] की का पुत्र है व
[illegible] मतीजा [illegible]
[illegible] उज़रा की [illegible] है
[illegible] व [illegible] वाली
[illegible] गया है। [illegible]

No. 706834 A 1 9 8 9 Himachal Government Judicial Paper

नकल

वसीयतनामा

मुज़ः 1

मनकि श्रीमति दसोदा उर्फ़ 66 साल
पत्नी स्वा पुत्र सिंघ सकना
बाशिंदे ब्राह्मणा परगना बहादुर
तहसील सदर ज़िला बिलासपुर
हि. प्र. की हूं।
जो कि मुज़हरा बूढ़ी औरत है।
मुज़हरा मवाज़ा बाशिंदे ब्राह्मणा
परगना बहादुर तहसील सदर
ज़िला बिलासपुर में मालिक व
काबिज़ होने की माल्लिक व क़ाबिज़ है।
जो मुज़हरा को पिता मुज़हरा से
बरासत में मिले हुए हैं।
मुज़हरा के कोई पुत्र नहीं है।
मुज़हरा के दो पुत्रियां श्रीमति
चन्द्रावती विधवा हैं जिनको मुज़हरा
ने वाजिबात कर दी हुई हैं व
उनको काफी रुपये व पहले
दिया है और वह अपने अपने
घरों में आबाद हैं।
श्री मदनदेव पुत्र बिशाम पुत्र
स्वा सकना बाशिंदे ब्राह्मणा
परगना बहादुर मुज़हरा के
बादर हकीकी का पुत्र है व
मुज़हरा का मतीजा होता है
जो मुज़हरा की बराबर खाने
गाने व दीगर इख़राजात
करता चला आता है और आइंदा

मुज़हरा के मरने के बाद

13-6-90

नकल तामीली — 26-4 — रुपये
किस्सात — 4 — नकद है।
कुल — 46 — है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
13/6/90

नकल — वसीयत — नाम हुआ — दरखास्त हुई रद्दा
उनवान — ख्वाजी — परगना — रद्दा — तहसील — रद्दा
जिला — बिलासपुर — हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 13-6-90
को दुबारा — 235 मजमून — नं. 192 — बरोज — कुल वो
समय — 1.00 बजे — दिन कार्यालय श्री — रजिस्ट्रार
सदर में ताबे रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता
दरखास्त

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
13/6/90

मुज़्ज़ 2

यही कहना चाहता है जिस से
मुज़हरा हर तरह पर दबा है।
उस को सिवाह इसके फैसला देना
ज़रूरी है।
सो मुज़हरा इस तैहरीरी
से अपनी सुबताजादिद गैरमनकूला
जो मुज़हरा को पिता मुज़हराने
बराबर में मिली हुई है मौसूमत
बहक श्री यशपाल पुत्र निकाल
पुत्र स्वर सकना वाकिफ बारगणा
परगना बहादुर तहसील सदर
ज़िला बिलासपुर हि. प्र. पुत्र आदर
हकीकी मुद्दत से इस्तेमाल करती
है, और सिर्फ देती है कि जब
तक मुज़हरा हयात है मुज़हरा
अपनी सुबता जादिद गैरमनकूला
की मालिक व काबिज़ रहेगी,
बाद वफात मुज़हरा मेरी सुबता
जादिद गैरमनकूला बरकना ग्राम
वाकिफ बारगणा परगना बहादुर
तहसील सदर ज़िला बिलासपुर
व जहां कहीं हो जो मुज़हरा
को पिता मुज़हरा से बराबर
में मिली हुई है का श्री यशपाल
व ज़ब्त बरदार बारात व
मालिक व काबिज़

मुज़हरा

No. 706833 A 8 9 **Himachal Government Judicial Paper**

ज़ज़ 2

की रचना करवाता है जिस से
उज़रा हर तरह पर खुश है।
उस से सिवाय इमदाद देना
ज़रूरी है।
सो उज़रा इस तैरीख से
से अपनी अन्नाजायदाद गैरमनकूला
जो उज़रा के पिता मुज़रा ने
वरासत में मिली हुई है मौसूफ़ा
बहक श्री यशपाल पुत्र निरंजन
पुत्र स्वा सरवा खाकी जाति ब्राह्मण
परगना बड़ाग्रा तहसील सदर
ज़िला बिलासपुर हि. प्र. पुत्र आदर
हकीकी बुद्ध कर के इकरार करती
है और लिख देती है कि जब
तक उज़रा हयात है उज़रा
अपनी अन्नाजायदाद गैरमनकूला
की मालिक व काबिज़ रहेगी,
बाद वफात उज़रा मेरी अन्नाजायदाद गैरमनकूला बरकला ग्राम
खाकी जाति ब्राह्मण परगना बड़ाग्रा
तहसील सदर ज़िला बिलासपुर
व जहां कहीं हो जो उज़रा
को पिता उज़रा से वरासत
में मिली हुई है का श्री यशपाल
मालिक बहक वारिस व
मालिक व काबिज़ बराबर होगा

गवाह

13-640

वसीका वसीयत वाला हुआ श्री दरयाव

हुरूफ व हरूफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने इस वसीका का तमाम मजमून व तफसील को सुन व समझकर सही तस्दीक किया। दर्ज रजिस्टर की गोहरराम वाड मेम्बर है। मैं स्वयं परिचित हूं। विवरण में दिया हुआ तस्दीक किया जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

फेल नम्बर बनावट फर्द

दरयाव

गोहरराम वाड मेम्बर

Sub Registrar (Sadar)
Distt. Bhilwara (Raj.)
13/10/85

नम्बर 3

किसी दीगर वारिस या उन्वान
से किसी दीगर वारिस का
इस से कोई ताल्लुक या
वास्ता न होगा।

उक्त जायदाद गैर मन्कूला
मंदरजा बाला में जो जो हुक़ूक़
उन्वान से हासिल हैं वह
तमाम बाद वफ़ात उन्वान
मौसिआना मज़कूर से हासिल
होंगे। उन्वान ने जायदाद
गैर मन्कूला मंदरजा बाला
के बारे की निस्बत इस से
पहिले कोई दस्तावेज़ किसी
के हक़ में तैयार नहीं कराई है
अगर बाद वफ़ात उन्वान
कोई वारिस किसी जाती
दस्तावेज़ की निस्बत
दावेदार हो तो वह इस से
उक्त इलाका में दख़ल नहीं
होगी और तमाम तरका हज़ा
पर बराबर अमल होगा।

मौसिआना

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
13/6/20

No. 706831 A 19/8/9 **Himachal Government Judicial Paper**

ज्ञापन

हिरानन्द s/o हजारा बसीका बसीन्त तथा नम्बरदार होकर व हकदार लम्बर बिहा नरगीन गांव कबर गुलहार हरियाना तहसील कैती हैं कि सबूत है।

तिथि 13/6/90 बिहालगढ़

गुलहार खुर्द - अ. ✓ गुलहार खुर्द ✓

श्री नन्दलाल पुत्र निरूण बसी मजदूरिया पुत्र हरदूरिया

श्रीमति दसोदा पत्नी नोहरालाल

श्री नोहरालाल पुत्र देवीसिंह पुत्र नजर

सरपंच मोहरलाल दसोदा

सरपंच बहादुर

सरपंच लाल सिंह

सरपंच बहादुर

चंदुराम

कोमाराम

बसीन्त तथा हजारा में तहसीलदार हैं।

854 13-6-90 मौजूदा नम्बरदार बसीन्त तथा बसीका बिहालगढ़

सबूत ज्ञापन सही है।

तिथि 13/6/90 सबूत कर्ता

मुलाराम सरपंच व बसीन्त तथा बसीका बिहालगढ़

854 13-6-90

[illegible] 107 in Deed 3
[illegible] 91 on page/pages 36 Title 3/4
[illegible] 20

Sub Registrar Sadar
Distt. Bijnor (U.P.)
13/6/90